ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 13-01-2023

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-01-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-01-14	2023-01-15	2023-01-16	2023-01-17	2023-01-18
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.0	23.0	20.0	18.0	19.0
न्यूनतम तापमान(से.)	9.0	7.0	5.0	4.0	6.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	41	39	33	20	16
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	19	14	13	8	6
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	18.0	12.0	11.0	12.0	14.0
पवन दिशा (डिग्री)	22	51	44	37	60
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 18.0 से 25.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 04.0 से 09.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

आने वाले पांच दिनों में रात का तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। अतः शाम के समय हल्की सिंचाई कर फसलों, सब्जियों, फलों के पौधों को कम तापमान से बचाएं।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी दिनों में शीत लहर चलने की सम्भवना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	किसान भाई समय पर बोई गई गेहूं की फसल में गांठ बनते समय 55 दिन की फसल पर सिंचाई करें।
सरसों	किसान भाई सरसों की फसल में फलीयां बनते समय फसल में सिंचाई करें।
जीरा	जीरे की फसल में किसान भाई एफिड कीट की लगातार निगरानी करते रहें। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु डाइमिथोएट 30 ईसी. एक मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से या ऐसीफेट 75 एस.पी.

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	750 ग्राम प्रति हैक्टेयर या थायोमिथोक्साम 25 घुलनशील चूर्ण 100 ग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को शीत लहर से बचाने के लिए रात के समय शेड में रखें, उन्हें ताजा/गुनगुना पानी दें। रात के समय जूट की बोरी से बने कपड़े पशुओं के शरीर पर रखें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	आने वाले दिनों में शीतलहर की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह है कि नर्सरी, फलवृक्षों के नये बाग तथा अन्य फसलों को शीत अवरोधक बनाकर या पुलाव आदि से ढककर शीतलहर से बचाव करें।